International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 15 Issue 08, Aug 2025,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन

शशांक श्रीवास्तव
शोधार्थी

डॉ0 दीप शिखा मित्तल
पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
बुन्देलखण्ड स्नातकोत्तर महाविद्यालय
झांसी (उ0प्र0)

शोध सारांश

प्रस्तुत अध्ययन एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन के उद्दे"य से 200 एकल तथा 200 संयुक्त परिवार के झांसी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण द्वारा डॉ0 अरूण कुमार सिंह व डॉ0 अल्पना गुप्ता को प्र"ाासित किया गया है। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर मध्यमान (Mean), प्रामाणिक विचलन (Standard Deviation) तथा सार्थक अन्तर ज्ञात करने के उद्दे"य से क्रान्तिक अनुपात (Critical Ratio) की गणना की गई। प्राप्त परिणामों के निष्कर्ष रूप में ज्ञात हुआ कि एकल परिवार के विद्यार्थियों की तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थी सार्थक रूप से 0.01 स्तर पर उत्तम मानसिक स्वास्थ्य प्रद"र्ित करते हैं। इसी प्रकार एकल परिवार की अपेक्षा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों संवेगात्मक स्थिरता, समायोजन, स्वायत्तता, सुरक्षा, आत्म–प्रत्यय तथा बुद्धि में सार्थक रूप से उत्तम मानसिक स्वास्थ्य स्तर प्रद"र्ित किया गया।

प्रस्तावना

मानव जीवन में मानसिक स्वास्थ्य एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है, जो न केवल व्यक्ति के भावनात्मक और सामाजिक कल्याण को प्रभावित करता है, बल्कि उसके संपूर्ण व्यक्तित्व, निर्णय क्षमता, शिक्षा, संबंधों और जीवन की गुणवत्ता पर भी गहरा प्रभाव डालता है। विशेष रूप से किशोरावस्था (Adolescence) के दौरान मानसिक स्वास्थ्य एक संवेदनशील अवस्था होती है, क्योंकि यह आयु वर्ग कई जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिवर्तनों से गुजरता है। इस स्थिति में परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारतीय सामाजिक संरचना में संयुक्त परिवार (Joint Family) एवं एकल परिवार (Nuclear Family) दोनों प्रकार के पारिवारिक स्वरूप पाए जाते हैं। संयुक्त परिवार में दादा–दादी, चाचा–चाची आदि के साथ रहने से बच्चों को सामाजिक समर्थन, अनुशासन, भावनात्मक सुरक्षा तथा अनुभवजन्य मार्गदर्शन मिलता है। इसके विपरीत एकल परिवार में सीमित सदस्यों की उपस्थिति होती

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 15 Issue 08, Aug 2025,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

है, जिससे बच्चों के ऊपर भावनात्मक और व्यावहारिक दबाव अधिक हो सकता है, वि"ोषकर जब माता–पिता कार्यरत हों।

उच्च माध्यमिक स्तर (16–18 वर्ष) की अवस्था विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक दृष्टि से अत्यधिक चुनौतीपूर्ण होती है। इस समय वे करियर निर्णय, परीक्षा दबाव, आत्म–पहचान, सामाजिक स्वीकृति और आत्मसम्मान जैसे पहलुओं से जूझते हैं। यदि इस दौरान उन्हें परिवार से पर्याप्त सहयोग, समझ और भावनात्मक सहारा मिलता है तो उनका मानसिक स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है।

वर्तमान सामाजिक परिवर्तन और शहरीकरण के साथ एकल परिवारों की संख्या में वृद्धि हो रही है, वहीं संयुक्त परिवारों की प्रासंगिकता घट रही है। इससे यह जानना अत्यंत आवश्यक हो गया है कि इन दोनों प्रकार के परिवारों का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है।

अध्ययन के उद्देश्य

एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की भून्य उपकल्पना

एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक अन्तर नहीं होगा।

अनुसंधान विधि

प्रतिदर्श

झांसी क्षेत्र के 200 एकल तथा 200 संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों पर प्रस्तुत अध्ययन किया गया।

भाोध उपकरण

मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण

डॉ0 अरूण कुमार सिंह व डॉ0 अल्पना गुप्ता

परिणाम एवं विवेचन

एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करने के उद्दे"य से 200 एकल तथा 200 संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों पर मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण द्वारा डॉ0 अरूण कुमार सिंह तथा डॉ0 अल्पना गुप्ता को प्र"ाासित किया गया। प्राप्त आँकड़ों के आधार पर मध्यमान (Mean), प्रामाणिक विचलन (Standard Deviation) तथा सार्थक अन्तर ज्ञात करने के उद्दे"य से क्रान्तिक अनुपात (Critical Ratio) की गणना की गई। प्राप्त परिणाम **तालिका** में इसप्रकार ज्ञात हुए–

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 15 Issue 08, Aug 2025,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तालिका : एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पक्षों के प्राप्तांकां का मध्यमान, प्रामाणिक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात

मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्र	विद्यार्थी परिवार प्रकार				क्रान्तिक अनुपात (Critical Ratio)
	एकल N=200		संयुक्त N=200		
	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
a) संवेगात्मक स्थिरता	8.36	2.42	9.68	2.12	5.74<0.01
b) समायोजन	23.13	5.50	24.87	5.05	3.28<0.01
c) स्वायत्तता	8.73	2.60	9.85	2.12	4.67<0.01
d) सुरक्षा	7.84	2.36	8.81	1.90	4.62<0.01
e) आत्म–प्रत्यय	8.35	2.21	9.26	1.82	4.55<0.01
f) बुद्धि	12.67	5.48	15.33	5.10	5.02<0.01
योग	69.09	14.46	77.81	10.67	5.07<0.01

सार्थकता स्तर 0.05 → 1.97

0.01 → 2.59

तालिका का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य (मध्यमान 77.81) उत्तम है, जबकि एकल परिवार के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य (मध्यमान 69.09) तुलनात्मक रूप से निम्न स्तर का है। इसीप्रकार संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों–संवेगात्मक स्थिरता (मध्यमान 9.68), समायोजन (मध्यमान 24.87), स्वायत्तता (मध्यमान 9.85), सुरक्षा (मध्यमान 8.81), आत्म–प्रत्यय (मध्यमान 9.26) तथा बुद्धि (मध्यमान 15. 33) उच्च स्तर ज्ञात हुआ। इसके विपरीत एकल परिवार के विद्यार्थियों की उक्त मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों–संवेगात्मक स्थिरता (मध्यमान 8.36), समायोजन (मध्यमान 23.13), स्वायत्तता (मध्यमान 8. 73), सुरक्षा (मध्यमान 7.84), आत्म–प्रत्यय (मध्यमान 8.35) तथा बुद्धि (मध्यमान 12.67) तुलनात्मक रूप से निम्न स्तर का ज्ञात हुआ।

इसप्रकार स्पष्ट है कि एकल परिवार की तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्तम स्तर का प्राप्त हुआ। **बार चित्र** द्वारा भी इसीप्रकार के परिणाम आलेखीय रूप में प्रदर्शित हैं।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 15 Issue 08, Aug 2025,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed

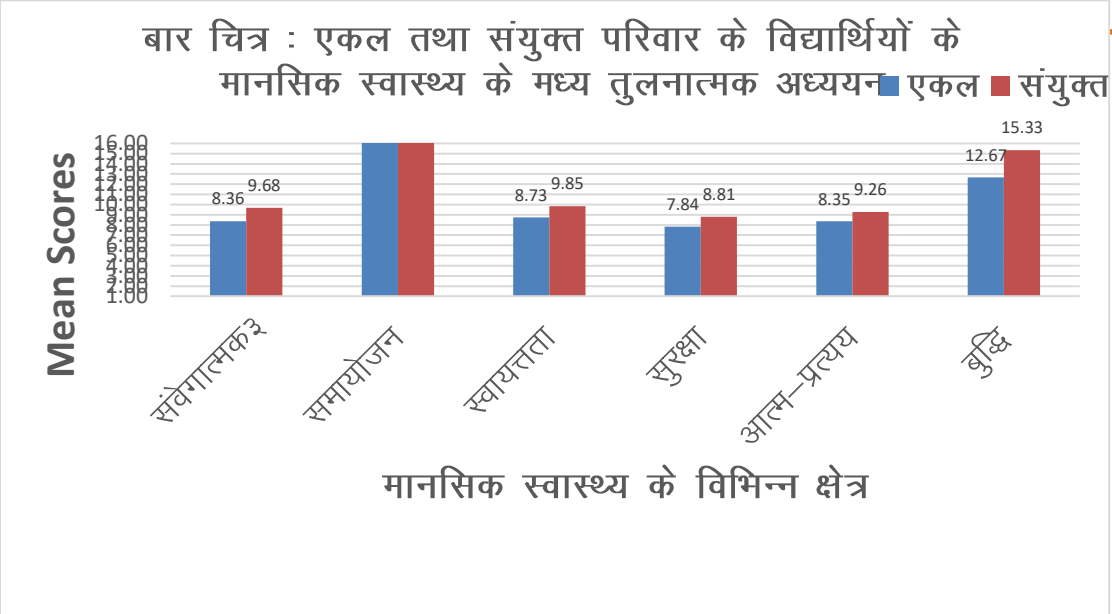

एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक अन्तर ज्ञात करने के उद्दे"य से **क्रान्तिक अनुपात (Critical Ratio)** की गणना की गई। **तालिका** का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य 0.01 सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ। क्रान्तिक अनुपात का मान 5.07 ज्ञात हुआ जो कि स्वतन्त्रता के अं"ा (degree of freedom) 398 के आधार पर निर्धारित मान 2.59 से अधिक प्राप्त हुआ है, अतः सार्थकता स्तर 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर को प्रदर्"ित करता है। एकल परिवार की तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सार्थक रूप से 0.01 स्तर पर उत्तम प्राप्त हुआ।

इसीप्रकार एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों–संवेगात्मक स्थिरता (क्रान्तिक अनुपात 5.74), समायोजन (क्रान्तिक अनुपात 3.28), स्वायत्तता (क्रान्तिक अनुपात 4.67), सुरक्षा (क्रान्तिक अनुपात 4.62), आत्म–प्रत्यय (क्रान्तिक अनुपात 4.55) तथा बुद्धि (क्रान्तिक अनुपात 5.02) में 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर ज्ञात हुआ। एकल परिवार के विद्यार्थियों की तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थी मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों–संवेगात्मक स्थिरता, समायोजन, स्वायत्तता, सुरक्षा, आत्म–प्रत्यय तथा बुद्धि के क्षेत्रों में सार्थक रूप से 0.01 स्तर पर उत्तम मानसिक स्वास्थ्य प्रदर्"ित करते हैं।

अतः प्रस्तुत अध्ययन की शून्य उपकल्पना "**एकल तथा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य**

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 15 Issue 08, Aug 2025,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

के मध्य सार्थक अन्तर नहीं होगा।'' असत्य सिद्ध होती है। एकल परिवार के विद्यार्थियों की तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सार्थक रूप से 0.01 स्तर पर उत्तम ज्ञात हुआ। इसीप्रकार एकल परिवार की अपेक्षा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों–संवेगात्मक स्थिरता, समायोजन, स्वायत्तता, सुरक्षा, आत्म–प्रत्यय तथा बुद्धि में सार्थक रूप से उत्तम स्तर को प्रदर्"ित किया गया।

उपर्युक्त प्राप्त परिणामों की पुष्टि प्रमुख भारतीय अनुसंधानों द्वारा भी ज्ञात हुई है– **माथुर तथा वैश्णव (2017)** द्वारा एकल व संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों की बुद्धि व समायोजन का अध्ययन कर ज्ञात किया कि एकल परिवार की अपेक्षा संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों की बुद्धि तथा सामाजिक समायोजन उच्च प्राप्त हुआ। **माथुर (2020)** द्वारा एक अन्य अध्ययन में एकल की तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि उच्च स्तर की ज्ञात हुई, जबकि एकल परिवार के विद्यार्थियों का आक्रामकता स्तर उच्च प्राप्त हुआ। **अग्रवाल तथा बहादुर (2023)** द्वारा एकल व संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन कर ज्ञात किया कि एकल परिवार के तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य अधिक उत्तम प्राप्त हुआ। संयुक्त परिवार की बालिकाओं का भी मानसिक स्वास्थ्य अधिक उत्तम ज्ञात हुआ। **खेडकर तथा मिमरोट (2024)** द्वारा महाराष्ट्र के 480 कि"ोरों की संवेगात्मक परिपक्वता का अध्ययन कर निष्कर्ष रूप में प्राप्त किया कि एकल परिवार की तुलना में संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों की संवेगात्मक परिपक्वता अधिक उत्तम ज्ञात हुई।

REFERENCES

Agrawal, A. and Bahadur, A (2023), Role of Family Structure on Mental Health of Adolescents: A Comparative Study. *International Journal of Indian Psychology*, 11(2), 1571-1578.

Ansari, A.H.; Yadava, H. and Pant, M. (2022), A Study on Status of Mental Health among Male and Fmale Senior Secondary Level Students of Uttarakhand State. *Asian Pacific Journal of Health Sciences*, 9(4), 196-199.

Khedkar, Y.M. and Mimrot, B.H. (2024), Emotional Maturity between Adolescents of Joint and Nuclear Family, *Think India Journal*, Vol. 22 (13).

Mathur, N. (2020), A Co-relative study of Adjustment, Aggression and Academic Achievement of Children Belonging to Joint and Nuclear Families Studying at Higher Secondary Level. *International Journal of Indian Psychology*, 8(10), 470-473.

Mathur, N. and Vaishnav, R. (2017), Intelligence and Social Adjustment of Joint and Nuclear Family Children Studying at High School Level. *Voice of Research Working Papers*, 2017-24-01.

Muntazir, A. and Others (2024) Assessment of Mental Health Among Higher Secondary School Students in District Kulgam, *Jammu and Kashmir, Indian BITS Journal* , DOI:10.51470.

Ragesh, G. et. Al. (2015) Perceived Stress and Coping among Rural Adolescent Girls in India. *International Journal of Indian Psychology*, 2(3), 170-173.

Ratra, D. and Singh, K. (2022), Personal Well-being among Indian Adolecents and Youth: Determinants of Happiness. *Frontiers in Psychology*, Article 914152.

Singh, K. Bassi, M.; Junnarkar, M. and Nagar l. (2015), Mental Health and Psychosocial functioning in Adolescence : An Investigation among Indian Students from Delhi. *Journal of Adolcence*, 39, 59-69.